Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding setting up of de-addiction/awareness centres and rehabilitation of affected youths in the country-laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): बुंदेलखंड सहित देश में युवा बड़ी संख्या में विभिन्न प्रकार के नशों में लिप्त हैं और नशा वर्तमान समय में विकराल सामाजिक समस्या बन गया है । देश के विभिन्न इलाकों में नशे के खिलाफ जन आन्दोलन होते आए हैं और इन आंदोलनों का विभिन्न राज्यों में लम्बा इतिहास है । स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान भी देश में नशे के विरुद्ध मूल्यों का निर्माण किया गया था।

नशे को कभी भी भारतीय समाज में सामाजिक स्वीकृति नही मिली है । परन्तु वर्तमान में आधुनिकीकरण और अन्य सामाजिक और आर्थिक कारणों से विशेषकर युवाओं के द्वारा नशे के सेवन में वृद्धि हुई है जो कि एक गंभीर चिंता का विषय है । एक सर्वे के अनुसार देश में 2009 से 2011 के बीच में देश में 1.4 अरब डालर का व्यापार हुआ और देश के लगभग 25% युवा और गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले लगभग 40 % भारतीय किसी न कि किसी प्रकार का नशा करते हैं । नशे के कारण न सिर्फ आर्थिक नुकसान होता है अपितु मानव जीवन भी बर्बाद होता है | विगत वर्ष सिनेमा जगत से भी नशा करने और इसके संगठित व्यापार कीभी खबरें आई थी ।

अत: मेरा सरकार से निवेदन है कि बुन्देल्खंड सहित देश के युवाओं और गरीबों को नशे से बचाने हेतु देश भर में अधिक संख्या में मिशन मोड में सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर आवासीय नशा मुक्ति और जागरूकता केन्द्रों का निर्माण किया जाए और नशे के कारण बर्बाद हो चुके युवाओं के पुर्नवास के लिए विशेष उपाय किए जाए ।